

जयपुर, 15 अप्रैल, 2023

प्रदेश जगत

www.samacharjagat.com

11

पद्म विभूषण अवॉर्ड डॉ. आरए मरोलकर जेकेएलयू लॉरिएट अवॉर्ड से सम्मानित

बेस्ट प्रैक्टिस नहीं, नेक्स्ट प्रैक्टिस पर हो फोकस

समाचार जगत न्यू

जयपुर. आपका भाग्य आपके हाथ में है। बेस्ट प्रैक्टिस के बजाय नेक्स्ट प्रैक्टिस पर फोकस हो तो परिणाम ज्यादा इमोबिलाइज होंगे। कुछ ऐसे ही प्रेरक उद्बोधन के साथ पद्म विभूषण, पद्म भूषण और पद्म श्री से सम्मानित विश्व के ख्यातनाम वैज्ञानिक डॉ. आरए मरोलकर शुक्रवार को जेके लक्ष्मीपत युनिवर्सिटी में देशभर से आए स्टूडेंट्स, प्रोफेसर्स, वैज्ञानिक एवं बिजनेस पर्सनस से रुजू हुए। उन्हें युनिवर्सिटी की ओर से प्रतिष्ठित जेकेएलयू लॉरिएट अवॉर्ड से नवाजा गया। जेके समूह के संस्थापक हरि शंकर सिंघानिया की स्मृति में राष्ट्रीय स्तर पर बेहतर योगदान के लिए ख्यातनाम हस्तियों को इस पुरस्कार से सम्मानित किया जाता



है। जेकेएलयू लॉरिएट अवॉर्ड का यह आठवां एडिशन था, इस अवॉर्ड से पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह, पूर्व राष्ट्रपति डॉ. प्रणव मुखर्जी समेत अन्य नामचीन हस्तियों को सम्मानित

किया जा चुका है। इस अवसर पर युनिवर्सिटी के प्रो. चांसलर एचपी सिंघानिया, जेकेएलयू के वाइस चांसलर प्रो. धीरज सांघी, प्रो वीसी आरणैय गुप्ता ने वह पुरस्कार प्रदान किया। मरोलकर

ने संबोधित करते हुए कहा कि बेस्ट प्रैक्टिस में हम किसी को फेलो करते हैं, जबकि नेक्स्ट प्रैक्टिस में हम खुद मार्ग तय करते हैं, जो कि सथाई सफलता का मार्ग प्रशस्त करता है।

इन मूल्यों पर मिलता है अवॉर्ड

जेकेएलयू लॉरिएट अवॉर्ड विशिष्ट बौद्धिक, नैतिक और आध्यात्मिक क्षमता के व्यक्तियों को सम्मानित करने के लिए दिया जाता है। विनम्र समाज के प्रति योगदान जेके समूह के मूल्यों को दर्शाता है, जिससे युवाओं को जीवन के अपने चुने हुए क्षेत्रों में उत्कृष्टतम प्राप्त करने के लिए ऐसे रोल मॉडल से

प्रेरणा मिल सके। जेकेएलयू लॉरिएट अवॉर्ड से अब तक पूर्व राष्ट्रपति प्रणव मुखर्जी, पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह, डॉ. के.कस्तुरीरंगन, लॉर्ड मेघनद देसाई, कैलाश सत्यावर्ती, प्रो. कमलराम और अरुंधती भट्टाचार्य सहित हस्तियों को सम्मानित किया जा चुका है।

इनोवेशन- जीवन जीने का तरीका। 'क्रिएटिंग ए एक्सपेनेंसिगल ऑब्रप्रेन्सर्स' विषय पर संबोधित करते हुए मरोलकर ने कहा कि इनोवेशन जीवन जीने का एक तरीका है। आईडिनरी व्यक्ति को एक्स्ट्रा आईडिनरी में बदलने की कला सीखने की जरूरत बताई। आई टेक्नोलॉजी को निचले तबके तक

पहुंचाने की क्षमता विकसित करने की बात कही। उन्होंने पत्रकारों से बात करते हुए पेटेंट की जागरूकता लाएं जाने की बात पर जोर दिया। मरोलकर का अपने वैज्ञानिक प्रयोगों के लिए पूरी दुनिया में एक विशिष्ट स्थान है। वे अक्सिफोर्ड समेत कई विश्वप्रसिद्ध युनिवर्सिटी में प्रोफेसर रह चुके हैं।